भारत सरकार
गृह मंत्रालय
लोक सभा
तारांकित प्रश्न संख्या 394
दिनांक 08.01.2019 / 18 पौष, 1940 (शक) को उत्तर के लिए

राजभाषा हिन्दी को बढ़ावा देना

*394. श्री मानशंकर निनामाः

क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने संविधान के उपबंधों के अनुसार राजभाषा हिन्दी को उचित सम्मान देने और उसका विश्वव्यापी और राष्ट्रव्यापी संवर्धन तथा प्रचार करने के लिए योजनाएं बनाई हैं;
(ख) यदि हां, तो गत तीन वर्षों के दौरान कौन सी योजनाएं तैयार की गई हैं और इन योजनाओं पर कितनी राशि व्यय की गई है;
(ग) विज्ञान और प्रौद्योगिकी में राजभाषा हिन्दी के बेहतर प्रयोग के लिए क्या उचित कदम उठाए गए हैं; और
(घ) इस संबंध में सरकार द्वारा क्या लक्ष्य तय किया गया है?

उत्तर

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री किरेन रिजिजू)

(क) से (घ): एक विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

दिनांक 08.01.2019 का लोक सभा ता. प्र. सं. 394

"राजभाषा हिंदी को बढ़ावा देना" के संबंध में दिनांक 08.01.2019 के लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या *394 के उत्तर में उल्लिखित विवरण।

(क), (ख) और)घ(: जी, हां। संविधान के अनुच्छेद में किए गए 343प्रावधान के अनुसार संघ की राजभाषा देवनागरी लिपि हिंदी है। राजभाषा को पहचान प्रदान करने तथा राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इसके व्यापक प्रचारप्रसार के लिए- भारत सरकार ने विभिन्न योजनाएं तैयार की हैं जैसेराजभाषा कीर्ति पुरस्कार योजना -, राजभाषा गौरव पुरस्कार योजना, राजभाषा क्षेत्रीय पुरस्कार, हिंदी सीखने के लिए प्रोत्साहनप्रेरणा योजनाएं और / नकद पुरस्कार आदि। राजभाषा विभाग द्वारा एक वार्षिक कार्यक्रम तैयार किया जाता है, जिसमें हिंदी पत्राचार, हिंदी में टिप्पण और हिंदी भाषा में प्रशिक्षण आदि के लिए वार्षिक लक्ष्य निर्धारित किये जाते हैं। इसके अलावा, कर्मचारियों को हिंदी भाषा, हिंदी टंकण, हिंदी आशुलिपि तथा हिंदी अनुवाद का प्रशिक्ष्ाण प्रदान करने के लिए लक्ष्य निर्धारित किए जाते हैं। एक विस्तृत ब्यौरा **अनुलग्नक-I** पर है। इस कार्य के लिए सालाना बजट 74.45 करोड़ रूपये है।

)ग(: जी, हां। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा राजभाषा का बेहतर प्रयोग सुनिश्चित करने के लिए प्रयास किए किए जा रहे हैं। विज्ञान संचार और प्रचार-प्रसार संबंधी कार्यक्रम देशभर में हिंदी तथा क्षेत्रीय भाषाओं में आयोजित किए जा रहे हैं। आकाशवाणी के माध्यम से हिंदी में रेडियो धारावाहिक तैयार, प्रस्तुत तथा प्रसारित किए जाते हैं। ''भारत में समुद्री भूविज्ञान का इतिहास-'' एवं ''सब तक पहुंचना है'' नामक पुस्तकों और हिंदी पत्रिकाओं यथा ''विज्ञान प्रगति'', ''आविष्कार'' और ''ड्रीम 2047'' से विश्व भर में हो रहे वैज्ञानिक घटनाक्रम की जानकारी और सूचनाएं हिंदी भाषी लोगों तक पहुंचाने में मदद मिली है।

अनुलग्नक-I

दिनांक 08.01.2019 का लोक सभा ता. प्र. सं. 394

I. पुरस्कार योजनाएं

(क) राजभाषा कीर्ति पुरस्कार योजना- इस योजना के अंतर्गत प्रत्येक वर्ष विभिन्न मंत्रालयों, विभागों, बोर्डों/संस्थाओं, स्वायत्त निकायों, राष्ट्रीयकृत बैंकों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों को सरकार की राजभाषा नीति को बढ़ावा देने के संबंध में उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए शील्ड प्रदान की जाती है।

(ख) राजभाषा गौरव पुरस्कार योजना – राजभाषा गौरव पुरस्कार भारत के नागरिकों को ज्ञान तथा विज्ञान पर आधारित विषयों पर हिंदी में मौलिक पुस्तक लेखन हेतु दिया जाता है। राजभाषा गौरव पुरस्कार केंद्र सरकार के कार्मिकों को (सेवानिवृत्त कार्मिकों सहित) मौलिक पुस्तक लेखन एवं हिंदी में उत्कृष्ट लेख लिखने के लिए भी प्रदान किए जाते हैं।

(ग) राजभाषा क्षेत्रीय पुरस्कार – राजभाषा क्षेत्रीय पुरस्कार योजना के अंतर्गत, प्रत्येक वर्ष केंद्र सरकार के विभिन्न कार्यालयों, राष्ट्रीयकृत बैंकों के अधीनस्थ कार्यालयों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों को सरकार की राजभाषा नीति को बढ़ावा देने के लिए उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों हेतु शील्ड प्रदान की जाती हैं।

II. बढ़ावा/प्रोत्साहन योजनाएं

(क) व्यक्तिगत वेतन वृद्धि– हिंदी भाषा, हिंदी टंकण एवं हिंदी आशुलिपि के लिए, केंद्र सरकार के अधिकारियों/कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रोत्साहन राशि/ एक वेतन वृद्धि के बराबर वयैक्तिक वेतन 12 महीनों के लिए दिया जाता है।

(ख) आशुलिपिकों एवं टंककों को सरकारी काम हिंदी में करने के लिए प्रोत्साहन।

(ग) मूल रूप से हिंदी में टिप्पण/आलेखन करने हेतु प्रोत्साहन।

III. नकद पुरस्कार योजना

(क) प्रबोध, प्रवीण एवं प्राज्ञ

(ख) हिंदी शब्द संसाधन

(ग) हिंदी आशुलिपि

IV. प्रशिक्षण योजनाएं

(क) केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान – केंद्र सरकार के कार्मिकों को हिंदी भाषा, हिंदी टंकण एवं आशुलिपि में प्रशिक्षण उपलब्ध कराता है। केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान के लिए वर्ष 2018-19 के लिए लक्ष्य निम्नलिखित हैं:-

i. हिंदी भाषा – 38750 प्रशिक्षणार्थी

ii. हिंदी टंकण – 4740 प्रशिक्षणार्थी

iii. हिंदी आशुलिपि – 930 प्रशिक्षणार्थी

******